Headline

1. Assam: 'जब पता न हो तो बोलना नहीं चाहिए', असम को म्यांमार का हिस्सा बताने पर कपिल सिब्बल पर भड़के सीएम
2. AI Act: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को कंट्रोल करने के लिए बनेगा कानून, यूरोपियन यूनियन पहली बार हुआ राजी
3. InFinity Forum 2.0: 'भारत में लालफीताशाही कम हुई', प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की टिप्पणी दोहराई

कह कपि हृदय धीर धरू माता। सुमिरू राम सेवक सुखदाता।।
अब कृतकृत्य भयउ मैं माता। आसिष तव अमोघ बिख्याता।।

|| Ram Katha 928 - मानस मातोश्री || Mumbai || मोरारी बापू

सांध्य दैनिक

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 9 अंक : 151 | इंदौर, शनिवार 09 दिसंबर, 2023 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

असम में हो गई थी एक ट्रेन गुम

...और कान खड़े हो गए थे अमेरिका, रूस और चीन की सुरक्षा एजेंसियों की !

- असम में हो गई थी एक ट्रेन गुम ...और कान खड़े हो गए थे अमेरिका, रूस और चीन की सुरक्षा एजेंसियों की !
- क्यों ? जानिए एक बड़ी रोचक कहानी को।
- वो पूरी ट्रेन लगभग 43 वर्षों तक गायब रही।
- और उसे ढूंढा अमेरिका से लेकर चीन की खुफिया एजेंसियों ने। जिसमें नासा भी शामिल था।
- असम के तिनसुकिया नामक स्थान से गायब हुई रहस्यमई ट्रेन वास्ते आपको पहले अमेरिका चलना होगा।
- 5 दिसंबर 2019 को अमेरिका की नासा के उपग्रहों ने भारत के ऊपर एक चित्र खींचा। उस वक्त वे एशिया अफ्रीका क्षेत्र में जंगल पर वन मानचित्र बनाने के काम पर थे ।
- उपग्रह ने उनको भारत के असम से एक ट्रेन के रेक की कुछ अस्पष्ट, जंगलों में छिपी हुई और बहुत धुंधली अपरिचित तस्वीरें भेजी।
- नासा की सुरक्षा एजेंसी ने जब इन फोटो का एनालिसिस किया तो उनको ये संदेह हुआ कि भारत ने असम में अरुणाचल बॉर्डर 'रेल मोबाइल' ICBM (intercontinental ballistic missile)
- वास्ते एक ट्रेन रेक को छुपा रखा है।
- संदेह होने ही इन फोटो और संदेह को तत्काल पेंटागन हाउस भेज दिया गया।
- अमेरिका की तमाम सुरक्षा एजेंसी के कान खड़े हो गए। और असम अरुणाचल बॉर्डर पर अपने जासूसी उपग्रहों को केंद्रित कर दिया।
- पर अभी कई जबरदस्त और रोचक खेल शुरू होने बाकी थे।
- पेंटागन हाउस में रूसी और चीनी डबल एजेंटों ने नासा द्वारा खोजी गई CBM Train' के बारे में रूस और चीन जासूसों को भी बता दिया।
- अब फिर क्या था!! रूस और चीन ने भी अपने अपने उपग्रहों को असम अरुणाचल बॉर्डर पर केंद्रित कर दिया कि भारत किस देश वास्ते, किस प्रकार का मिसाइल, कहा छुपा कर रखा है? और उसका इरादा क्या है?
- इधर भारत में ISRO, NTRO ने नोट किया कि इस क्षेत्र में अमेरिका, रूस, चीन के उपग्रहों की असामान्य गतिविधियां अचानक बढ़ गई है। और ये खबर उन्होंने भारतीय खुफिया एजेंसियों को भेज दी।

क्रमश : पेज 3 पर

- चूंकि मामला अंतर्राष्ट्रीय था, इसलिए NSA और RAW भी एक्शन में आ गए। रॉ ने रूस और चीन में उनके लिए काम कर रहे एजेंटों से पता लगा लिया कि असम और अरुणाचल बॉर्डर पर सीरेल मोबाइल' ICBM (Intercontinental ballistic missile)
- वास्ते एक ट्रेन रेक देखा गया है।
- जैसे ही भारत सरकार को ये सूचना मिली, वे सदमे में रह गए। उनको बड़ा खतरा नजर आने लगा। क्यों की भारत ने कुछ भी ऐसा छिपाकर नहीं रखा था?
- अब सबसे बड़ा सवाल ये उठा कि क्या किसी आतंकवादी संगठन या विदेशी शक्तियों ने यहां गुप्त अड्डा स्थापित कर लिया है?
- सारे मुख्य सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया गया और मीटिंग शुरू हुई। जिसमें PMO , DIA (रक्षा खुफिया एजेंसी), NIA (राष्ट्रीय जांच एजेंसी), MOD (रक्षा मंत्रालय) और CCS (कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी) शामिल हो गये।
- IHQ, सैन्य अंतरिक्ष कमान और SFC (रणनीतिक बल कमान) सभी ने असम अरुणाचल बॉर्डर पर किसी भी ट्रेन/रेक की नियुक्ति या छिपा कर रखने से इंकार कर दिया।
- इन सुरक्षा एजेंसियों ने हवाई रेकी और स्वयं के उपग्रहों, IAF और ARC (विमानन अनुसंधान केंद्र) ने भी जांच की। उपग्रहों से ली गई तस्वीरों से पुष्टि हुई कि वाकई में यहां एक अच्छी तरह से छिपा हुआ ट्रेन रेक मौजूद है।
- खबर की पुष्टि होते ही NSA (राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी) के कार्यालय से एक वरिष्ठ खुफिया अधिकारी को एक गुप्त ऑपरेशन वास्ते इस साइट पर भेजा गया।
- स्थिति की गंभीरता देखते हुए मार्कोस और गरुड़ सहित एसएफ (special Forces) की एक ग्राउंड पार्टी को भी साथ देने वास्ते तैयारी पर

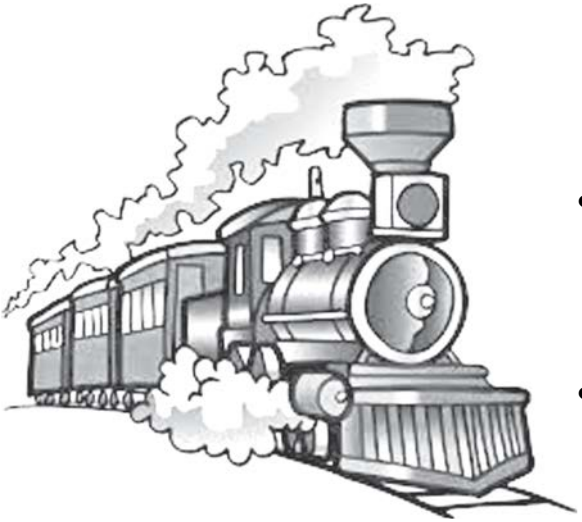

रखा की पता नहीं कहा से मिसाइल आ जाए?
- अब असली धमाका सामने आने वाला था।
- तिनसुकिया स्वयं गुवाहाटी से लगभग 480 किलोमीटर उत्तर पूर्व और अरुणाचल सीमा से लगभग 80 किलोमीटर दूर है।
- जब वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी इसे पिन प्वाइंट करते हुए असम से तिनसुकिया से 40 किलोमीटर दूर एक छोटे से रेलवे स्टेशन पर पहुंचे। तो सच्चाई सामने आ गई।
- हुआ यूं था कि 16 जून 1976 को सुबह 11:08 बजे एक ट्रेन असम के तिनसुकिया के एक छोटे से स्टेशन में पहुंचा।
- 1976 में ये एक सामान्य बात थी कि छोटे स्टेशन पर प्लेटफार्मों के साथ समान लोडिंग और अनलोडिंग वास्ते कोई जगह उपलब्ध नहीं होने पर इंजन से यात्री ड़ब्बों को अलग करके मुख्य स्टेशन पर छोड़ देते थे। और मॉल ड़ब्बों वाले रैक को दूर बने यार्ड में ले जाकर समान चढ़ाने या उतारने का काम होता था। उस दिन भी ऐसा ही हुआ था।
- उसी दिन सुबह 11:31 बजे भारी बारिश हुई और पानी का सैलाब उफान पड़ा। बाढ़ आ गया। पूरा स्टेशन 5 से 6 फीट पानी में डूब गया।

सभी यात्री उतर चुके थे। स्टेशन और रेलवे ट्रैक पर पानी भरने के कारण वे उसमें फंसने लगे। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से यात्रियों ने पैदल रेलवे ट्रैक के किनारे से सुरक्षित स्थानों पर चले गए।

- कई दिनों बाद पानी का स्तर घटा। इस अवधि के दौरान स्टेशन मास्टर और कुछ कर्मचारी भी पोस्टिंग पर बाहर चले गए।
- इस बीच लोग उस अलग किए गए रेक के बारे में भूल गए। क्योंकि यह मुख्य स्टेशन से लगभग 2 किलोमीटर दूर एक अलग थलग साइडिंग पर और सुनसान जगह पर था।
- धीरे-धीरे झाड़ - झंखाड़ और जंगलों ने पूरे क्षेत्र पर कब्ज़ा कर लिया। इस साइडिंग, ट्रैन, रैक पर झाड़ियों, लताओं का क जा हो गया। साँपों, पक्षियों और जंगली जानवरों ने उसमें अपना घर बना लिया।
- समय गुजरता गया। अधिकांश पुराने रेलवे कर्मचारी सेवानिवृत्त हो गए। अन्य का निधन हो गया। किसी को ट्रेन की याद नहीं रही।
- इंजन ड्राइवर डैनियल स्मिथ सितंबर 1976 में ऑस्ट्रेलिया चले गए। और ट्रेन अनजान रूप से पड़ी रही।
- और इस तरह 18 दिसंबर 2019 को मुख्य तिनसुकिया से लगभग 40 किमी दूर एक छोटे स्टेशन पर पड़ा हुआ पाया गया था।
- और अब आप पूरी कहानी जान चुके की खोदा पहाड़, निकली चुहिया।
- और इस खबर से अमेरिका, रूस, चीन और भारत सरकार का टेंशन दूर हुआ। अंत भला, तो सब भला।
- और यह है खोई हुई ट्रेन की कहानी। अविश्वसनीय, लेकिन बिल्कुल सच!

मध्यप्रदेश के विधायक दल की बैठक सोमवार को

मुख्यमंत्री के नाम का सस्पेंस होगा खत्म

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्टों

भोपाल। आखिरकार जीत के करीब आठ दिन बाद मध्य प्रदेश के नव निर्वाचित भाजपा विधायक दल की बैठक सोमवार शाम 7 बजे होना तय हुई है। पार्टी ने इस बैठक में हरियाणा के सीएम मनोहर लाल खट्टर को पर्यवेक्षक के रूप में भेजने व विधायक दल का नेता चुनने की प्रक्रिया संपन्न करने का फैसला किया है। 11 दिसंबर को भोपाल में विधायक दल की बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री कौन होगा, इस पर सस्पेंस खत्म हो जाएगा।

भाजपा संसदीय बोर्ड ने मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ में विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए पर्यवेक्षक शुक्रवार को तय कर दिए। मध्य प्रदेश के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के. लक्ष्मण, राष्ट्रीय सचिव आशा लाकड़ा के नाम तय किए हैं। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, राज्यसभा सांसद सरोज पांडेय और राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े राजस्थान जाएंगे और केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, सर्वानंद सोनोवाल और राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत कुमार गौतम छत्तीसगढ़। उनकी मौजूदगी में भाजपा विधायक दल का नेता यानी सीएम चुना जाएगा। बता दें, तीन दिसंबर को चार राज्यों के चुनावों के नतीजे घोषित हुए थे। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा ने बहुमत हासिल किया है। तीनों राज्यों में भाजपा विधायक दल का नेता रविवार को चुना जाएगा। इससे पहले भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने कल कहा था कि रविवार तक मुख्यमंत्री के नाम से सस्पेंस खत्म हो जाएगा।

ये हैं सीएम पद के दावेदार

मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, नरेंद्र सिंह तोमर और प्रहलाद पटेल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के साथ ही कैलाश विजयवर्गीय को भी मुख्यमंत्री पद का प्रमुख दावेदार माना जा रहा है। प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा ने 163 सीटें जीती हैं, जबकि कांग्रेस को सिर्फ 66 सीटें मिली हैं। एक सीट भारत आदिवासी पार्टी ने जीती है। पार्टी ने तोमर और पटेल समेत सात सांसदों को चुनावों में उतारा था। इनमें से कैंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते मंडला के निवास सीट पर विधानसभा चुनाव हारे हैं। इसके साथ ही गणेश सिंह भी सतना से हार गए। इसके अलावा सांसद रीति पाठक (सीधी), जबलपुर के सांसद राकेश सिंह (जबलपुर पश्चिम), होशंगाबाद के सांसद राव उदय प्रताप सिंह (गाडरवारा) में जीतकर विधानसभा पहुंचे हैं। इन पांचों ने लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है।

खट्टर के पर्यवेक्षक बनने से विजयवर्गीय समर्थकों में उत्साह

मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री कौन बनेगा, इसे लेकर मंथन के बीच खबर आई है कि CM चयन से जुड़ी प्रक्रिया के लिए मनोहरलाल खट्टर को पर्यवेक्षक बनाकर भेजा गया है। खट्टर हरियाणा के मुख्यमंत्री हैं। वे जब पहली बार सीएम बने थे, तब हरियाणा के प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय ही थे। खट्टर और विजयवर्गीय की जुगलबंदी तब पूरे देश में चर्चा आई थी। दरअसल, विजयवर्गीय पहली बार में हरियाणा जिताकर लाए तो पार्टी ने उनका कद बढ़ाते हुए राष्ट्रीय महासचिव (जून 2015 में) बना दिया था। इस चुनाव में बीजेपी ने हरियाणा विधानसभा की 90 में से 47 सीट जीती थी। वहीं इसके पहले हुए 2009 के चुनाव में बीजेपी मात्र 4 सीट ही जीत पाई थी। ध्यान रहे कि हरियाणा के मुख्यमंत्री खट्टर के अलावा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के लक्ष्मण और पार्टी की राष्ट्रीय सचिव आशा लकड़ा को ऑब्जर्वर बनाया गया है। खट्टर की मध्य प्रदेश की पॉलिटिक्स में एंट्री के बाद विजयवर्गीय समर्थकों में उत्साह देखा जा रहा है। 2014 के हरियाणा चुनाव में खट्टर की जीत का श्रेय विजयवर्गीय को मिला था। कार्यकताओं सहित समर्थक विधायक रमेश मेंदोला का कहना है कि कार्यकर्ताओं के साथ जनभावना भी है कि विजयवर्गीय मुख्यमंत्री बने। विजयवर्गीय मप्र के मंत्रिमंडल में साल 2003 से जुलाई 2015 तक रहे। महासचिव बनाने के बाद उन्हें पार्टी ने पश्चिम बंगाल का चुनाव प्रभारी बनाया था। जहां पर पार्टी ने लोकसभा चुनाव में तो भारी जीत हासिल की थी, लेकिन विधानसभा चुनाव में हार गई थी। वहीं 2023 के मप्र विधानसभा चुनाव में पार्टी ने विजयवर्गीय को इंदौर की 9 सीटों के साथ ही मालवा-निमाड़ की 66 सीट की जवाबदारी सौंपी थी। जिसमें से वह 48 सीट जीताने में सफल रहे थे।

निजी स्कूल में छात्रों के दो गुटों के बीच हुई झड़प

◆ विवाद में कटर चलने से छात्र हुए लहूलुहान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा के न्यूटन थाना क्षेत्र के एक निजी स्कूल में छात्रों के दो गुटों के बीच जमकर लड़ाई हुई। बताया जा रहा है कि विवाद तब शुरू हुआ जब स्कूल के दो छात्र एक अन्य छात्र को छोड़ने गुरुवार को उसके घर गए थे। लौटते समय स्कूल के ही दो अन्य छात्रों से उनका विवाद हो गया था, इसी घटना को लेकर दोपहर स्कूल की छुट्टी के बाद दोनों गुटों में विवाद हुआ।

बता दें कि विवाद इतना बढ़ गया कि इस बीच कुछ लोग कार से आए। कार सवार लोग तलवार, चाकू, और कट्टा निकालने की बात कर रहे थे। इस बीच किसी ने रेहान नाम के छात्र के पेट में कटर से हमला कर दिया। इससे उसकी कमीज फट गई और पेट में सात इंच से लंबा घाव हो गया। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। जहां पुलिस तीन छात्रों को लेकर अस्पताल आई। यहां उनका मुलाहजा कराया गया।

इस मामले के बाद बड़ी संख्या में छात्रों के परिजन, परिचित अस्पताल पहुंच गए। घायल छात्रों ने बताया कि उनका कोई विवाद नहीं था। आज कार से आकर उनपर हमला किया गया। टीआई जिगोतिन मसराम ने बताया कि छात्रों के दो गुटों के बीच विवाद हुआ है। इनके बीच एक साल पुरानी रंजिश है। मामले में सभी घायलों का मुलाहजा कराया गया है। एक छात्र को कटर से घायल हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नाबालिग से छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को तीन साल की सजा, ढाई हजार का जुर्माना भी लगाया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

जबलपुर। अदालत को अभियोजन पक्ष की ओर से बताया गया कि 2 सितंबर 2022 को पीड़िता ने रांझी थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें उसने बताया था कि जब भी वह स्कूल व कोचिंग जाती तो आरोपी दुर्गेश बेन उसका पीछा करता था। तीन माह से उसे आरोपी परेशान कर रहा है, इतना ही नहीं जब भी वह अकेली होती तो उसका हाथ पकड़कर उसके साथ छेड़खानी करता है।

इतना ही नहीं एक सितंबर की दोपहर जब वह घर के बाहर खेल रही थी, उसी समय आरोपी आया जबरदस्ती साथ में चलने को कहने लगा। उसने जब माता-पिता से बताने की बात कहीं तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गया। शिकायत पर पुलिस ने छेड़खानी व पॉक्सो एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर अदालत के समक्ष चालान पेश किया। सुनवाई पश्चात अदालत ने आरोपी दुर्गेश को उक्त सजा से दंडित किया। मामले में शासन की ओर से एडीपीओ मनीषा दुबे ने पक्ष रखा।

खलिहान में रखी धान में अज्ञात शरारती तत्वों ने लगाई आग

◆ फायर ब्रिगेड पहुंची तब तक सब खाक

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

शहडोल। शहडोल के जैतपुर थाना क्षेत्र के कोशम टोला स्थित खलिहान में रखी धान पर अज्ञात शरारती बदमाशों ने आग लगा दी। इसकी वजह से हजारों का नुकसान हुआ है। घटना की जानकारी दमकल कर्मियों के साथ-साथ पुलिस को दी गई सूचना पर टीम पहुंची और आग पर काबू पाया गया। जब तक दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया तब तक आग ने अपने आगोश में 40 क्विंटल धान को ले लिया था। जैतपुर थाना प्रभारी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि कोशम टोला में वारिश अली के खेत के खलिहान में धान रखी हुई थी। शुक्रवार की शाम अचानक किसी अज्ञात व्यक्ति ने आग लगा दी। इसकी वजह से धान जल कर खाक हो गई है। वारिश अली का कहना है की वो शाम को खेत से घर गए थे तभी कुछ देर बाद उन्हें आगजनी की घटना की जानकारी पड़ोसी ने फोन पर दी। खबर मिलते ही वो खेत पहुंचे, तब तक आग बढ़ चुकी थी। मामले की जानकारी दमकल कर्मियों के साथ साथ पुलिस को भी दी गई। जब तक टीम घटना स्थल पहुंची तब तक सब कुछ राख हो गया।

मिल प्रबंधन ने अचानक तालाबंदी कर मिल कर दी बंद, 500 मजदूरों के परिवारों पर आन पड़ा रोजी-रोटी का संकट

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

खरगोन। मध्य प्रदेश के खरगोन के जिला मुख्यालय में स्थित जवाहरलाल नेहरू सहकारी सुतमिल पर तालाबंदी को लेकर मजदूरों ने जमकर हंगामा किया। मिल में काम करने वाली लेबर ने मिल प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। मजदूरों की मांग थी कि पिछले महीने का वेतन सहित इस बार का बोनस उन्हें नहीं दिया गया और आज अचानक प्रबंधन द्वारा मिल पर ताला लगा दिया, जिससे हम मिल मजदूरों के परिजनों पर रोजी रोटी का संकट आ गया है। वहीं प्रबंधन ने मिल के लॉस में होने के चलते मिल को बंद करने की बात कही।

खरगोन जिले में स्थित जवाहरलाल नेहरू सहकारी सूतमिल पर शुक्रवार से प्रबंधन ने तालाबंदी कर मिल को बंद कर दिया। जिससे अचानक मिल में काम करने वाले लगभग 500 मजदूर और कर्मचारियों के परिवारों पर रोजी-रोटी का संकट आन पड़ा। इसके चलते ही मिल के गेट पर तीनों शिफ्ट के मजदूरों ने इकट्ठा होकर जमकर प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की, तो वहीं उन्होंने मांग की कि उनका पिछले माह का वेतन सहित बोनस भी उन्हें अदा किया जाए। हालांकि मिल प्रबंधन ने बाजार में यार्न की डिमांड ना होने और मिल के लॉस में होने के चलते मिल को बंद करने की बात कही। मिल मजदूरों का कहना था कि अचानक इस तरह से मिल बंद करने से हम गरीब मजदूरों के परिवार रोड पर आ जाएंगे, इसलिए उन्होंने मिल प्रबंधन से मांग की है कि मिल को चालू कराया जाए, साथ ही उनका पूरा वेतन दिया जाए।

इधर इस पूरे मामले को लेकर सुतमिल के प्रबन्धक राजेंद्र जवागिरे ने बताया कि अभी बाजार की स्थिति बहुत

खराब है, और बाजार में यार्न की डिमांड ही नहीं है। और मिल बहुत ज्यादा लॉस में चल रही है, और जैसे-जैसे पैसा आते जा रहा है वैसे-वैसे मिल चलाते जा रहे हैं। हालांकि मजदूरों को अभी तक तो ले आफ़ वगैरह सब देते आ रहे हैं। जैसे माल आता है वैसे चलाते जा रहे हैं और बोनस के लिए भी पैसे की व्यवस्था कर रहे हैं, साथ ही जिला सहकारी बैंक से भी पैसे की डिमांड की हुई है। लिमिट भी असाइन हो गई है, और जैसा पैसे आते जा रहा है वैसा दे देंगे। अभी मजदूरों को आज तक का सारा पैसा दिया हुआ है, और आगे भी दे देंगे और देते ही हैं। शॉर्ट नोटिस पर मिल बंद करना जैसा कुछ नहीं है, यह तो रेगुलर चल रहा है।

मिल में काम करने वाले मजदूर अजय रघुवंशी ने बताया कि एक दिन पहले अचानक से हमारे प्रबंधक महोदय द्वारा मिल के गेट पर नोटिस लगाया जा रहा था कि मिल कल से बंद रहेगी। आज सभी तीनों शिफ्ट के लेबर यहां इकट्ठे हुए हैं और हमें पिछले महीने का वेतन भी अभी तक नहीं दिया गया है। इसी मांग को लेकर अभी इस सूत मिल के प्रभारी मोहन रघुवंशी जी से भी हमारी बात हुई है।

दो बार फेल होने पर एमबीबीएस की छात्रा ने दी जान, डिप्रेशन की बताई जा रही थी शिकार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन। उज्जैन में एमबीबीएस की छात्रा ने परीक्षा में दो बार फेल होने पर जहर खाकर अपनी जान दे दी। चिमनगंज थाना पुलिस ने बताया कि कुसुम कुमारी निवासी इंदिरानगर ने दो दिन पहले जहर खा लिया था। पिता ने उसे प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया जहां से सूचना मिलने के बाद चिमनगंज पुलिस ने कुसुम के बयान लिये। मृतका ने बताया कि परीक्षा में फेल होने के कारण डिप्रेशन में आ गई थी। इसलिए जहर खा लिया था। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई है। छात्रा की मौत से परिजनों में गम का माहौल है।

New Delhi

ओडिशा और बिहार ट्रेन हादसों के बाद भारतीय रेलवे ने कसी कमर,1465 किलोमीटर लंबे मार्ग पर लगा 'कवच'

नई दिल्ली, (एजेंसी) ओडिशा और बिहार ट्रेन हादसों के बाद भारत रेलवे हरसंभव सुरक्षा मजबूत करने में लगा हुआ है। इसी क्रम में स्वदेशी रूप से विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली (एटीपी) 'कवच' को अब तक 1465 किलोमीटर लंबे मार्ग और दक्षिण मध्य रेलवे खंडों पर 139 लोकोमोटिव (इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट रेक) पर स्थापित किया गया है।

बता दें, लिंगापल्ली-विकाराबाद-वाडी के 265 किलोमीटर और विकाराबाद-बीदर खंड, मनमाड-मुदखेड-धोने-गुंटकल खंड के 959 किलोमीटर और बीदर-परभणी खंड के 241 किलोमीटर लंबे मार्ग पर महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। वहीं, वर्तमान में दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा कॉरिडोर के करीब 3000 किलोमीटर लंबे मार्ग के लिए कवच निविदाएं जारी की गई हैं

और इन मार्गों पर कार्य प्रगति पर है।

इसके अलावा, भारतीय रेलवे ने एक सर्वे, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) और 6000 किलोमीटर रेल मार्ग पर कवच लगाने के अनुमान सहित कई प्रारंभिक काम भी शुरू किए हैं।

'कवच' चलती ट्रेनों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए एक स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली है। इसे तीन भारतीय कंपनियों के सहयोग से अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ) ने स्वदेशी रूप से तैयार किया है। कवच न सिर्फ ट्रेन के चालक को खतरे में सिग्नल पास करने और तेज गति से गाड़ी चलाने से बचाव में मदद करता है बल्कि इससे खराब मौसम के दौरान ट्रेन चलाने में भी मदद मिलती है। इस तरह ट्रेन परिचालन की सुरक्षा और दक्षता बढ़ती है।

आपको बता दें कि इस कवच सिस्टम को भारतीय रेलवे ने रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड ऑर्गेनाइजेशन की मदद से तैयार किया है। रेलवे ने इस कवच

New Delhi

दिल्ली के VVIP इलाके में एनकाउंटर, गोलीबारी से वसंत कुंज में सनसनी, पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई के 2 शूटरों को दबोचा

नई दिल्ली, (एजेंसी) राजधानी दिल्ली के वसंतकुंज के पास लॉरेंस गैंग के शूटर्स के साथ दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की मुठभेड़ हुई है. इस दौरान दोनों तरफ से जमकर गोलियां चली हैं. एनकाउंटर में लॉरेंस गैंग के दो शूटर्स पकड़े गए हैं और दोनों में एक नाबालिग है. इन शूटर्स के पर कई पुराने कई मुकदमें दर्ज हैं. आपको बता दें कि दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने शुक्रवार को ही गोल्डी बराड़ और लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो शूटर्स को गिरफ्तार किया था. ये वहीं शूटर हैं जो 3 दिसंबर 2023 को पंजाब के एक पूर्व विधायक के पंजाबी बाग स्थित घर पर फायरिंग की घटना में शामिल थे.दोनों शूटर्स के नाम आकाश और अखिल हैं जो हरियाणा के सोनीपत और चरखी दादरी के रहने वाले हैं. पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है कि दोनों शूटर्स पंजाब के पूर्व विधायक दीप मल्होत्रा के घर फायरिंग में शामिल थे और गोल्डी बराड़ के कहने पर इस काम को अंजाम दिया गया था. गोल्डी ने एक्स MLA को धमकी के वॉट्स नोट भेजे थे और बाद में वसूली के लिए भी फोन किए थे. इतना ही नहीं हाल में गोल्डी के कहने पर उसके गुर्गों ने पंजाब में पूर्व विधायक के शराब के ठेके भी जलाए गए थे.

New Delhi

भारत को दहलाने की फिराक में ISIS, एनआईए ने 41 ठिकानों पर रेड मार किया नाकाम; 13 गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी) राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) की टीमों ने आज सुबह-सुबह महाराष्ट्र और कर्नाटक में 41 ठिकानों पर छापेमारी की है। यह छापेमारी इस्लामिक स्टेट आतंकी साजिश मामले में की गई है। कर्नाटक में कुछ स्थानों पर अभी भी छापेमारी चल रही है। वहीं, महाराष्ट्र में पुणे, ठाणे ग्रामीण, ठाणे शहर और मीरा भयंदर में रेड मारी जा रही है। एनआईए के सूत्रों ने कहा कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन और चल रहे मामले में आईएसआईएस की संलिप्तता के साथ एक बड़ी साजिश का खुलासा किया है। जांच में भारत के भीतर आईएसआईएस की चरमपंथी विचारधारा का प्रचार करने के लिए प्रतिबद्ध व्यक्तियों के एक जटिल नेटवर्क का खुलासा हुआ है। उन्होंने कहा, इस नेटवर्क ने आईएसआईएस के स्वयंभू खलीफा के प्रति निष्ठा की शपथ ली।

New Delhi

सावधान! UP-बिहार में 4 डिग्री तक गिरने वाला है तापमान, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी) देश के पूर्वी हिस्सों में चक्रवात मिचौंग का व्यापक प्रभाव देखने को मिल रहा है। कई जगहों पर हल्की से भारी बारिश हुई है। तटीय आंध्र प्रदेश में भारी बारिश के बाद चक्रवात कमजोर होकर एक दबाव क्षेत्र में बदल गया।

इसके बाद छत्तीसगढ़ और आसपास के क्षेत्रों में कम दबाव का क्षेत्र बन गया है। बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों में भी इसके कारण अच्छी बारिश हुई है। देश के कई इलाकों में आने वाले कुछ दिनों में न्यूनतम तापमान में गिरावट देखी जा सकती है। वहीं, बांग्लादेश के पूर्वी हिस्सों और आसपास के इलाकों पर एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है। देश के पूर्वी हिस्सों से बारिश की गतिविधियां काफी कम हो जाएंगी, लेकिन पूर्वोत्तर भारत में अगले 24 से 48 घंटों तक बारिश जारी रह सकती है। आपको बता दें कि अगले 8 से 10 दिनों तक पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में बारिश का एक और दौर आने की उम्मीद नहीं है। मौसम पूरी तरह शुष्क हो जाएगा। 9 दिसंबर से पूर्वी भारत में हल्के से मध्यम कोहरे की संभावना है।

खेल

WPL Auction 2024 : इन 5 विदेशी खिलाड़ियों पर लग सकती है करोड़ों की बोली, लिस्ट में ये बड़े नाम शामिल

मुंबई, (एजेंसी) वुमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के दूसरे सीजन के लिए 9 दिसंबर को दुनियाभर के 61 विदेशी सहित कुल 165 खिलाड़ियों की नीलामी होगी। इसमें चमारी अट्टापट्टू, एनाबेल सदरलैंड, डैनी व्याट सहित अन्य विदेशी खिलाड़ियों पर हर किसी की नजर रहेगी। श्रीलंका की ऑलराउंडर चमारी अटापट्टू का बेस प्राइज 30 लाख रुपये है, हालांकि इसके बावजूद उन्हें पहले सीजन में कोई खरीदार नहीं मिला था। इसके अलावा चमारी को विमेंस हंड्रेड, विमेंस बिग बैश लीग या विमेंस कैरेबियन प्रीमियर लीग में भी जगह नहीं मिली, लेकिन श्रीलंका के कप्तान ने 2023 में शानदार प्रदर्शन करके दिखाया कि टीमें को उनकी कमी क्यों खल रही हैं।

ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड का बेस प्राइस 40 लाख रुपये है। एनाबेल ने डब्ल्यूपीएल 2023 में चार मैच खेले और

केवल 28 रन बनाए। गुजरात जायंट्स से बाहर होने से पहले उन्होंने 10.99 की इकॉनमी रेट के साथ तीन विकेट लिए थे। एनाबेल ने महिला एशेज में फॉर्म में लौटी और नॉटिंघम में ऑस्ट्रेलिया की जीत में अपना पहला टेस्ट शतक जमाया। इसके बाद द ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 मैच में टीम का हार का सामना किया जिसमें एनाबेल ने 28 रन देकर तीन विकेट झटके थे।

इंग्लैंड की ऑलराउंडर डैनी व्याट का बेस प्राइस 30 लाख रुपये है। वह 150 से अधिक टी-20 खेलने वाली केवल तीन महिलाओं में से एक है। उन्हें पिछली बार 50 लाख रुपये के बेस प्राइस के साथ कोई खरीदार नहीं मिला, जिससे वह कुछ हद तक निराश थीं। वह विमेंस हंड्रेड चैंपियन सदर्न ब्रेव और चार्लोट एडवर्ड्स (सीई) कप विजेता सदर्न वाइपर के लिए बल्लेबाजी चार्ट में शीर्ष पर रही है।

ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर अमांडा-जेड वेलिंगटन बेस प्राइस 30 लाख रुपये है। वह फेयरब्रेक ग्लोबल इनविटेशनल टूर्नामेंट, डब्ल्यूसीपीएल और डब्ल्यूबीबीएल में खिताब जीतने वाली टीमों का हिस्सा रही है। उन्हें इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया की टी-20 विश्व कप टीम से बाहर कर दिया गया था और फिर उन्होंने डब्ल्यूपीएल की शुरुआती नीलामी में भी हिस्सा नहीं लिया। लेकिन उन्होंने डब्ल्यूसीपीएल फाइनल में बारबाडोस रॉयल्स के लिए चार विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया था।

दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज शबनीम इस्माइल का बेस प्राइस 40 लाख रुपये है। पिछली नीलामी में कड़ी बोली के कारण यूपी वारियर्स ने इस्माइल को एक करोड़ रुपये में खरीदा था, लेकिन सत्र में केवल तीन मैच के बाद वह इस साल खुद को नीलामी पूल में वापस पाती है। इस साल की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय मैचों से संन्यास लेने वाली दक्षिण अफ्रीका की तेज गेंदबाज ने विमेंस हंड्रेड, डब्ल्यूसीपीएल और डब्ल्यूबीबीएल में अपना शानदार प्रदर्शन किया था।

सिनेमा

रणवीर सिंह नहीं शाहरुख खान बनने वाले थे 'पद्मावत' में खिलजी, दीपिका पादुकोण की इस शर्त ने बिगाड़ा काम!

एक ओर जहां शाहरुख खान इन दिनों फिल्म डंकी को लेकर चर्चा में हैं तो वहीं दूसरी ओर हाल ही में फाइटर के टीजर के बाद दीपिका पादुकोण खबरों में आ गई हैं। वैसे दीपिका पादुकोण और शाहरुख खान की जोड़ी भी दर्शकों को काफी पसंद है। फिल्म ओम शांति ओम से लेकर पठान और फिर जवान (दीपिका का एक्सटेंडिड कैमियो),दोनों ने साथ में कई बार दर्शकों का दिल जीता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि फिल्म पद्मावत में भी दीपिका पादुकोण और शाहरुख खान साथ नजर आने वाले थे। शाहरुख को फिल्म में अलाउद्दीन खिलजी का रोल संजय लीला भंसाली ने ऑफर किया था, लेकिन दीपिका पादुकोण की एक शर्त की वजह से शाहरुख फिल्म का हिस्सा नहीं बन पाए और बाद में रणवीर सिंह ने खिलजी बन दर्शकों का दिल जीता। संजय लीला भंसाली की फिल्म पद्मावत, साल 2008 में रिलीज हुई थी। जो रिलीज के पहले काफी विवादों में रही थी और रिलीज के बाद हिट साबित हुई। फिल्म में रणवीर सिंह, शाहिद कपूर और दीपिका पादुकोण प्रमुख किरदारों में थे। फिल्म का नाम पद्मावती थी, लेकिन बाद में विवादों के चलते इसे बदल दिया गया। फिल्म में रणवीर ने अलाउद्दीन खिलजी का रोल निभाया और सभी का

संपादकीय

बीजेपी की नई सीख

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान विधानसभाओं के लिए निर्वाचित बीजेपी के 12 सांसदों में से 10 ने बुधवार को संसद से इस्तीफा दे दिया। बाकी दो के बारे में भी माना जा रहा है कि जल्दी ही इस्तीफा भिजवा देंगे। ये सब नवनिर्वाचित विधायकों के रूप में अपनी भूमिका जल्दी ही शुरू करेंगे। देश की राजनीति में संभवत: यह पहला ही मौका है, जब इतनी बड़ी संख्या में किसी पार्टी के सांसदों ने राष्ट्रीय राजनीति से हटकर प्रदेश राजनीति में सक्रिय भूमिका चुनी हो।

बीजेपी में क्या नए चेहरे बनेंगे CM: इसका पहला परिणाम तो यह हुआ है कि तीनों राज्यों में मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही अटकलबाजी और दिलचस्प हो गई है। मध्य प्रदेश में मौजूदा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और छत्तीसगढ़ व राजस्थान में क्रमश: पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमण सिंह और वसुंधरा राजे सिंधिया पहले से इस पद के दावेदार बताए जा रहे हैं, लेकिन प्रेक्षकों का कहना है कि बीजेपी नेतृत्व तीनों राज्यों में नए चेहरे को कमान सौंपना चाहता है। इस रस्साकशी का नतीजा क्या निकलता है यह जल्द स्पष्ट होगा, लेकिन इस्तीफों के बाद यह संभावना मजबूत हो गई है कि पार्टी नेतृत्व इन नेताओं के अनुभव का लाभ उठाने की मंशा से इन्हीं में से किसी को मौका देना चाहेगा।

केंद्र में नए मंत्रियों को लेकर अटकलें : दूसरा नतीजा यह है कि पार्टी के अंदर और बाहर इस सवाल पर भी चर्चा शुरू हो गई है कि इस्तीफों से खाली हुई जगहों को भरने का क्या इंतजाम होगा। चूंकि छह महीने के अंदर लोकसभा चुनाव होने हैं, इसलिए उपचुनावों की कोई संभावना नहीं है। लेकिन केंद्रीय मंत्रिमंडल में जो अहम पद खाली हुए हैं, उन्हें भरने की कोई पहल हो सकती है। स्वाभाविक ही पार्टी के अंदर इस बात को लेकर बेचैनी दिखने लगी है ऐसी कोई पहल होगी या नहीं और होगी तो किन्हें मंत्रिमंडल में प्रवेश का मौका मिलेगा।

तात्कालिक सवालों से अलग होकर इस प्रकरण को देखा जाए तो साफ है कि मुख्यमंत्री या उपमुख्यमंत्री के रूप में भूमिका मिले या न मिले, सांसदी छोड़कर राज्यों में विधायक की भूमिका में आए ये नेता प्रदेश राजनीति को अलग ढंग से समृद्ध करेंगे। अव्वल तो केंद्रीय मंत्री और सांसद के रूप में उनका अनुभव उन्हें अपेक्षाकृत छोटे कार्यक्षेत्र में चीजों को ज्यादा बारीकी से देखने का मौका देगा, जिसका लाभ बाकी विधायकों को ही नहीं, पार्टी और सरकार को भी मिल सकता है। दूसरी बात यह कि इनकी मिसाल से यह बात बार-बार रेखांकित होगी कि राजनीति सिर्फ अपनी निजी उपलब्धियों में इजाफा करने या अपना कद बढ़ाते रहने की जद्दोजहद का नाम नहीं है। पार्टी के प्रति समर्पण का यह रूप कम से कम बीजेपी में पॉलिटिक्स के नए कल्चर को मजबूती देगा, ऐसी उम्मीद निराधार नहीं कही जा सकती।

कवि और राजा का महल

उस अनजान शख्स को कविताएं काफी अच्छी लगीं और उसने कवि की बहुत तारीफ की। इस पर कवि ने कहा कि इन कविताओं का कोई मोल नहीं है, क्योंकि कोई भी उसकी कविता नहीं सुनना चाहता। फिर कवि ने उसे राजा और उसके सैनिक वाली बात भी बताई। इस पर उस अनजान आदमी ने कहा कि इसी तरह आपको हर रोज राजा के महल जाने की कोशिश जारी रखनी चाहिए।

एक समय की बात है, पाल्पा देश में एक कवि रहता था। वो अपने देश के राजा से मिलकर उनको कविता सुनना चाहता था, ताकि राजा उसकी कविता से खुश हो जाएं और उसे कोई इनाम दें। इसके लिए वह कवि हर दिन महल जाता, लेकिन सैनिक उसे महल के अंदर जाने से रोक देते। सैनिक कहते थे जब राजा उन्हें खुद से बुलाएगा, तभी वह महल के अंदर जा सकता है।

रोज सिपाहियों से यही बात सुनकर वह वापस अपने घर चला जाता था। एक दिन जब वह वापस अपने घर पहुंचा, तो थोड़ी देर बाद उसकी पत्नी उससे कहती है कि देखना, शायद घर के दरवाजे पर कोई आया हुआ है।

कवि ने जब दरवाजा खोला, तो उसने देखा कि एक आदमी उसके घर के बाहर खड़ा था। उस आदमी ने कवि से एक पते के बारे में पूछा और कहा कि उसे वहां जाना है।

कवि ने जब वह पता देखा, तो उस आदमी से कहा कि आपको जिस नगर में जाना है वह यहां से बहुत दूर है। आप बहुत दूर से आए हैं और अभी शाम भी हो गई है। आप उस पते पर समय रहते नहीं पहुंच सकते। बेहतर होगा कि आप आज की रात हमारे ही घर में रुक जाएं।

आदमी ने जवाब में कहा कि मेरे रुकने से आपको समस्या हो सकती है, इसलिए मैं अपने लिए कोई दूसरा स्थान ढूंढ लूंगा। मगर कवि के बार-बार कहने पर वह आदमी कवि के घर में ही रुक गया।

कवि के इस व्यवहार से उसकी पत्नी चिंता में पड़ जाती है। उसने कवि को बुलाया और धीरे से पूछने लगी, 'हमारे पास भोजन की कमी है। ऊपर से आप ने किसी अनजान को घर में रोक लिया है।'

इस पर कवि अपनी पत्नी को समझाते हुए कहता है कि चिंता न करो। कोई दिक्कत नहीं होगी। इतना कहकर कवि वहां से कुछ देर के बाहर जाने लगता है और पत्नी को बोलता है कि मेहमान का ख्याल रखना।

कवि के घर में रुके उस अनजान व्यक्ति ने कवि और उसकी पत्नी की सारी बातें सुन ली थी।

घर से बाहर जाते समय कवि उस अनजान व्यक्ति से आराम करने के लिए कहकर बाहर चला जाता है। थोड़ी देर में कवि भोजन बनाने की सामग्री के साथ घर लौटता है, जिसे उसने उधार लेकर खरीदा था।

खाना बनने के बाद कवि ने उस अनजान व्यक्ति को अपने साथ भोजन करने के लिए बुलाया। इस दौरान दोनों बातें करने लगे और बातों-बातों में उसने अजनबी को बता दिया कि वह एक कवि है और उसे अपनी दो-चार कविताएं भी सुना दी।

उस अनजान शख्स को कविताएं काफी अच्छी लगीं और उसने कवि की बहुत तारीफ की। इस पर कवि ने कहा कि इन कविताओं का कोई मोल नहीं है, क्योंकि कोई भी उसकी कविता नहीं सुनना चाहता। फिर कवि ने उसे राजा और उसके सैनिक वाली बात भी बताई। इस पर उस अनजान आदमी ने कहा कि इसी तरह आपको हर रोज राजा के महल जाने की कोशिश जारी रखनी चाहिए।

सुबह होते ही बिना कवि को बताए वह अनजान आदमी अपने पते पर निकल गया। उसी दिन कवि के पास राजा के सैनिक आए और उसे अपने साथ महल चलने के लिए कहने लगे।

कवि सैनिकों के साथ राजा के महल गया और राजा को अपनी कविताएं सुनाई। इसके बाद राजा ने खुश होकर कवि को अपने महल में रख लिया और उसे ढेर सारा इनाम भी दिया।

कवि को यह बात नहीं पता था कि राजा पहले भी उसकी कविता सुन चुके हैं। वो अनजान शख्स कोई और नहीं, बल्कि राजा ही था, जो अपना रूप बदलकर उसके घर आया था।

कवि ने वापस घर जाकर अपनी पत्नी को इसके बारे में बताया। इसपर उसकी पत्नी कहती है कि वह अजनबी व्यक्ति आपके लिए भाग्यशाली था। उसके घर आते ही कि आपको काम और इनाम दोनों मिल गए।

इसके बाद से कवि का जीवन बदल गया। वह बहुत ही खुशहाली में अपना जीवन जीने लगा।

कहानी से सीख

जिस तरह कवि ने अपने अच्छे व्यवहार से अपने बुरे दिन को खुशहाली में बदला, उसी तरह हम भी अपने नेक व्यवहार के जरिए अपनी परेशानियों को कम कर सकते हैं।

Highlights

- **PM Modi shares actress Catherine Zeta-Jones, her husband Michael's pic as they visit India**
- **Fire breaks out in chemical warehouse in Chennai, video surfaces**
- **32 coaching centres in Noida, G Noida to be shut over registration**
- **Meenakashi Lekhi denies signing paper asking if Hamas will be declared a terror outfit**
- **Man Takes His Own Life with Twine Bomb, Locks Mother in Bathroom**
- **PM Modi wishes Sonia Gandhi 'long, healthy life' on her 77th b'day**

Spotify CFO Paul Vogel to leave next year, company says

AHMEDABAD, (Agency). Spotify's chief financial officer will step down next year, according to the music streaming service, just days after it announced its third round of layoffs for 2023.

In a statement announcing CFO Paul Vogel's departure, CEO Daniel Ek said that the two had "come to the conclusion that Spotify is entering a new phase and needs a CFO with a different mix of experiences."

Spotify said this week that it would be axing 17% of its global workforce, citing the need to slash costs and become profitable. About 1,500 people will lose their jobs, a spokesperson confirmed.

Shortly after the layoffs were announced Monday, Spotify's stock jumped about 8%. On Tuesday, Vogel moved to sell more than $9.3 million worth of shares, according to securities filings.

Two other senior executives also cashed in over $1.6 million in shares, The Guardian reported.

The Associated Press reached out to Spotify for further comment on Friday.

Vogel will leave Spotify on March 31. Ben Kung, who currently serves as vice president of financial planning and analysis, "will take on expanded responsibilities" in the interim as Spotify searches for a successor externally, the company said in a blog post.

Stockholm-based Spotify posted a net loss of 462 million euros (about $500 million) for the nine months to September. The company announced in January that it was axing 6% of total staff. In June, it cut staff by another 2%, or about 200 workers, mainly in its podcast division.

Zerodha FY23 salaries revealed. Here's what Kamath brothers, others took home

NEW DEIHI, (Agency) The top brass of investing and trading platform Zerodha collectively took home a remuneration of around ₹200 crore for financial year 2022-23 (FY23), according to filings with the Union ministry of corporate affairs.

The filings show that for the April 1, 2022-March 31, 2023 period, the combined salary of brothers and founders Nithin and Nikhil Kamath stood at ₹144 crore – ₹72 crore each. However, Nithin, who is the CEO and managing director, and Nikhil, the CFO, did not take any stock option or equity during the said period.

Meanwhile, Seema Patil, whole-time director at Zerodha, had an annual remuneration of ₹36 crore, with the corresponding figure for COO Venu Madhav being ₹15.4 crore.

Patil, the whole-time director, is the spouse of Nithin Kamath.

Together, therefore, the Kamath brothers, and Patil and Madhav, took home annual salary amounting to ₹195.4 crore. During the previous 2022 fiscal, the Bengaluru-based company's board had passed a resolution approving a remuneration of up to ₹100 crore each to three of the directors. Also, for FY23, the firm's employees, including the directors, received a total salary of ₹380 crore.

Zerodha, which was founded by the Kamaths on August 15, 2010, values itself at ₹30,000 crore, about 10 times of its yearly profit. As per Moneycontrol, the online stock trading platform has an active client base of 64.8 lakh as of November this year, making it the second-largest retail broking company in the country.

कटाक्ष

©www.detectivegroupreport.com

शराब की लत ने जीजा-साले को बनाया लुटेरा

◆ महिला का पर्स, मोबाइल और चांदी के आभूषण जब्त

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। शराब की लत पूरी करने के लिए जीजा और साले लुटेरे बन गए। उन्होंने राह चलती महिला के साथ लूट की वारदात को अंजाम दिया था। घटना 15 दिन पहले अग्रवाल पब्लिक स्कूल के पास हुई थी। आरोपी जीजा ने अपने साले को पहले भोपाल से बुलवाया था, लेकिन साले को शराब की पार्टी देने के लिए जब जीजा के पास रुपये नहीं थे तो उन्होंने वारदात की थी।

कनाड़िया थाना प्रभारी जेपी यादव के अनुसार, फरियादी नेहा पति कमलेश गुर्जर निवासी परम विहार कालोनी ग्राम दूधिया थाना-खुडैल ने बताया कि जब पति के साथ बाइक पर रिश्तेदार से मिलने जा रही थी। तभी बाइक पर आए दो बदमाशों ने पर्स लूट लिया था। पर्स में मोबाइल, चांदी की पायल और 250 रुपए थे। घटना के बाद जब इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए तो उसमें ब्लू कलर की बाइक पर दो बदमाश दिखाई दिए, जिनकी पहचान रोहित खटक निवासी मयंक ब्लू वाटर पार्क और एक अन्य के रूप में हुई। घटना वाले दिन आरोपी रोहित का नाबालिग साला भोपाल की पत्रकार कॉलोनी के पास बनी झुग्गी-झोपड़ी पंचशील नगर से इंदौर आया था। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 392 में केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी थी। इसी बीच, फुटेज में आए हुलिए के आधार पर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पता चला कि आरोपी और साथी दोनों शराब पीने के आदी हैं। शराब पीने के पैसों के लिए ही लुटेरे बन गए।

मोबाइल छीनकर भाग रहे बदमाश पकड़ाए

इसी प्रकार, जिंसी हाट मैदान में युवती का मोबाइल छीनकर भाग रहे बदमाश को राहगीरों ने पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। मामला मल्हारगंज थाना क्षेत्र का है। फरियादी चेतना वर्मा पति दुष्यंत निवासी मल्हारगंज ने शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि वह जिंसी हाट मैदान से मोबाइल पर बात कर जा रही थी। तभी पीछे से एक्टिवा से आए बदमाश ने मोबाइल झपट लिया। मेरे द्वारा शोर मचाने पर वहां खड़े जुनैद, बशीर और कमल राठौड़ ने एक्टिवा सवार बदमाश पीयूष को पकड़ा।

छत्रीपुरा में बदमाशों ने किया पथराव, महिला घायल

शराब के नशे में कर रहे थे अभद्र व्यवहार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। शराब के नशे में धुत दो बदमाश घर के बाहर बैठी महिलाओं से अभद्र व्यवहार कर रहे थे। इसी के चलते महिला के परिजनों और बदमाशों में विवाद हो गया। विवाद के चलते बदमाशों ने पथराव किया, जिससे कार के कांच फूट गए।

वहीं, पत्थर लगने से महिला को चोट आई है। छत्रीपुरा पुलिस ने बताया कि घटना गुरुवार रात 10 बजे सेठी नगर में हुई। यहां घर के बाहर कुछ महिलाएं बैठकर बात कर रही थी। तभी पास में रहने वाले दो युवक पारस और अन्ना उर्फ आनंद शराब पीकर आए और महिलाओं को अभद्र टिप्पणी करने लगे। महिलाओं ने शोर मचाया तो परिजन दीपक घर के बाहर आया और बदमाशों की हरकत का विरोध करने लगा। इस पर बदमाशों ने पथराव करना शुरू कर दिया। दीपक के परिवार के अन्य सदस्य भी विवाद में शामिल हो गए। घटना के बाद दोनों बदमाश मौके से फरार हो गए। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने टीम गठित की है। क्षेत्रवासियों की मानें तो बदमाशों के थाने में कई रिकार्ड दर्ज हैं। वे पूर्व में भी मारपीट, छेड़छाड़ कर चुके हैं।

आज लोक अदालत, सरचार्जों में छूट देगा निगम, 30 करोड़ राजस्व आने की उम्मीद

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद आज 9 सितम्बर को लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसमें निगम संपति, जलकर की बकाया राशि एकमुश्त जमा करने वालों को निर्धारित सरचार्ज में छूट देगा। अदालत में इस बार निगम को 30 करोड़ रुपए आने की उम्मीद है। राजस्व विभाग के प्रभारी निरंजन सिंह चौहान ने बताया कि संपति के ऐसे प्रकरण जिनमें कर तथा अधिभार की राशि 50,000- तक बकाया होने पर अधिभार में 100 प्रतिशत, कर-अधिभार की राशि 50,000 से अधिक तथा एक लाख तक बकाया होने पर अधिभार में 50 प्रतिशत, कर-अधिभार की राशि 1 लाख से अधिक बकाया पर 25 प्रतिशत, जलकर के ऐसे प्रकरण जिनमें कर-अधिभार की राशि दस हजार बकाया पर 100 प्रतिशत, कर-अधिभार की राशि 10,000 से अधिक तथा 50,000 तक होने पर 75 प्रतिशत, कर-अधिभार की राशि 50,000 से अधिक बकाया पर 50 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। छूट उपरांत राशि अधिकतम दो किश्तों में जमा कराई जा सकेगी, जिसमें से कम से कम 50 प्रतिशत राशि लोक अदालत के दिन जमा कराना अनिवार्य होगा। समस्त झोनल कार्यालय, निगम मुख्यालय पर लोक अदालत में आने वाले करदाताओं के लिए बैठक, पेयजल व्यवस्था करने के साथ ही संपतिकर व जलकर में दी जा रही छूट के संबंध में विभिन्न माध्यमों से प्रचार-प्रसार करने के भी निर्देश अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

छेड़छाड़ करने वाले को 3 साल की सजा

इंदौर। नाबालिग से छेड़छाड़ करने क मामले में अप. सत्र न्यायाधीश निलेश यादव ने आरोपी रतन क. धारा 354 में 3 तथा पॉक्सो एक्ट में 3 साल क. सजा, दो हजार रुपए अर्थदंड किया है। अभियोजन क. अनुसार, 6 दिसम्बर 2018 पीडिता ने गौतमपुरा थाने में शिकायत दर्ज करा थी क. वह 5 दिसम्बर क. आरोपी ने मेरा गलत नीयत से हाथ पकड़ लिया था। पुलिस द्वारा पेश क.ए गए साक्ष्य क. विश्वसनीय मानते हुए उक्त सजा सुनाई गई है।

चेहरे पर एसिड फेंकने वाले को 10 साल का सश्रम कारावास

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। विवाद के चलते चेहरे पर एसिड फेंकने वाले आरोपी मदनलाल निवासी बेटमा को अपर सत्र न्यायाधीश निलेश यादव ने 10 साल का सश्रम कारावास एवं 100 रुपए अर्थदंड दिया है। अभियोजन के अनुसार, 04.07.19 को फरियादी आशीष चौहान ने बताया कि 3 जुलाई 2019 को वह कान्हा होटल के पास पान की गुमटी पर पिता के साथ बैठा था। तभी उक्त युवक ने पिता से गुटका उधार मांगा। उधार नहीं देने पर उसने पिता को गालियां दी, जिस पर पिता ने उसे थप्पड मार दिए थे। इस दौरान युवक सागौर कुटी चौराहे तरफ यह बोलते हुए गया कि थोडी देर रुक तुझे बताता हूं। फिर थोडी देर बाद वह वापस गुमटी पर आया। उसके हाथ में कुछ तरल पदार्थ था, जो पिता के चेहरे पर फैंक दिया। फरियादी की रिपोर्ट पर से पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 326-ए का केस दर्ज किया था। विवेचना के दौरान साक्षियों के कथन लेख लिए गए। कथनों का विश्वसनीय मानते हुए कोर्ट ने उक्त फैसला सुनाया।

दो माह में 450 फूड सेम्पल भेजे, शीघ्र आएगी रिपोर्ट

शहर में टेस्टिंग लैब नहीं होना बन रहा कारण

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। शहर में फूड टेस्टिंग लैब नहीं होने से खाद्य सामग्री के सेम्पलों की जांच रिपोर्ट में विलंब हो रहा है। खाद्य एवं औषधि विभाग ने अक्टूबर में 150 तथा नवंबर में 300 सेम्पल भोपाल भेजे थे, जिनकी रिपोर्ट शीघ्र आएगी। रिपोर्ट आने के बाद ही व्यापारी पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

विभाग के सुरक्षा अधिकारी मनीष स्वामी ने बताया कि दशहरा, दीपावली पर लोग बड़ी मात्रा में खाद्य सामग्री खरीदते हैं। खाद्य सामग्री निर्माण के लिए भी कच्चा माल बड़े पैमाने पर बिकता है। इसका बेजा फायदा उठाने कथित व्यापारी अमानक सामग्री बेचता है, जो स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव छोड़ती है। ऐसा व्यापारियों की कारगुजारी पर शिकंजा कसने खाद्य सामग्री के सेम्पल लिए गए थे। कुछ सेम्पलों की मौके पर ही जांच की गई। जबकि अधिकांश सेम्पल भोपाल स्थित लैब भेजे गए। चूंकि, प्रदेश में खाद्य सामग्री के सेम्पलों की जांच भोपाल में ही होने से वहां से रिपोर्ट आने में 15 से 20 दिन का समय लग जाता है। जांच रिपोर्ट देरी से आने से व्यापारी को बचाव को रास्ते मिल जाते हैं।

नई फूड लैब का काम पूरा

इसी को देखते हुए शासन ने पांच साल पहले तलावली चांदा क्षेत्र में नई फूड टेस्टिंग लैब का निर्माण शुरू किया था। करीब साढ़े चार लाख में लैब बनाने का काम हाउसिंग बोर्ड को सौंपा गया था। बोर्ड ने लैब की बिल्डिंग तैयार कर दी है। कुछ मशीनों को इंस्टाल करने का काम शुरू किया जाना है। मशीनें लगने के बाद ही लैब संचालित होगी। लैब तैयार होने से सेम्पल भोपाल नहीं भेजे जाएंगे। यहीं सेम्पलों की जल्द जांच रिपोर्ट सामने आ जाएगी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं 406- इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 0731-2433667 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक